26

आनंदमयी कविता

बादल

काले-काले, पानी वाले
आसमान में बादल आए
बोलो, कैसे आकर छाए

हवा पकड़कर, लाती सर-सर
छाए जैसे काले कंबल
कितने सुंदर लगते बादल

पेड़ों जैसे, भेड़ों जैसे
लगते जैसे चलते घोड़े
बन जाते हाथी के जोड़े

नन्हे जल-कण, गए भाप बन
उसी भाप ने ठंडक पाई
बादल बरसे, बरसा आई

© NCERT not to be republished

Reprint 2025-26

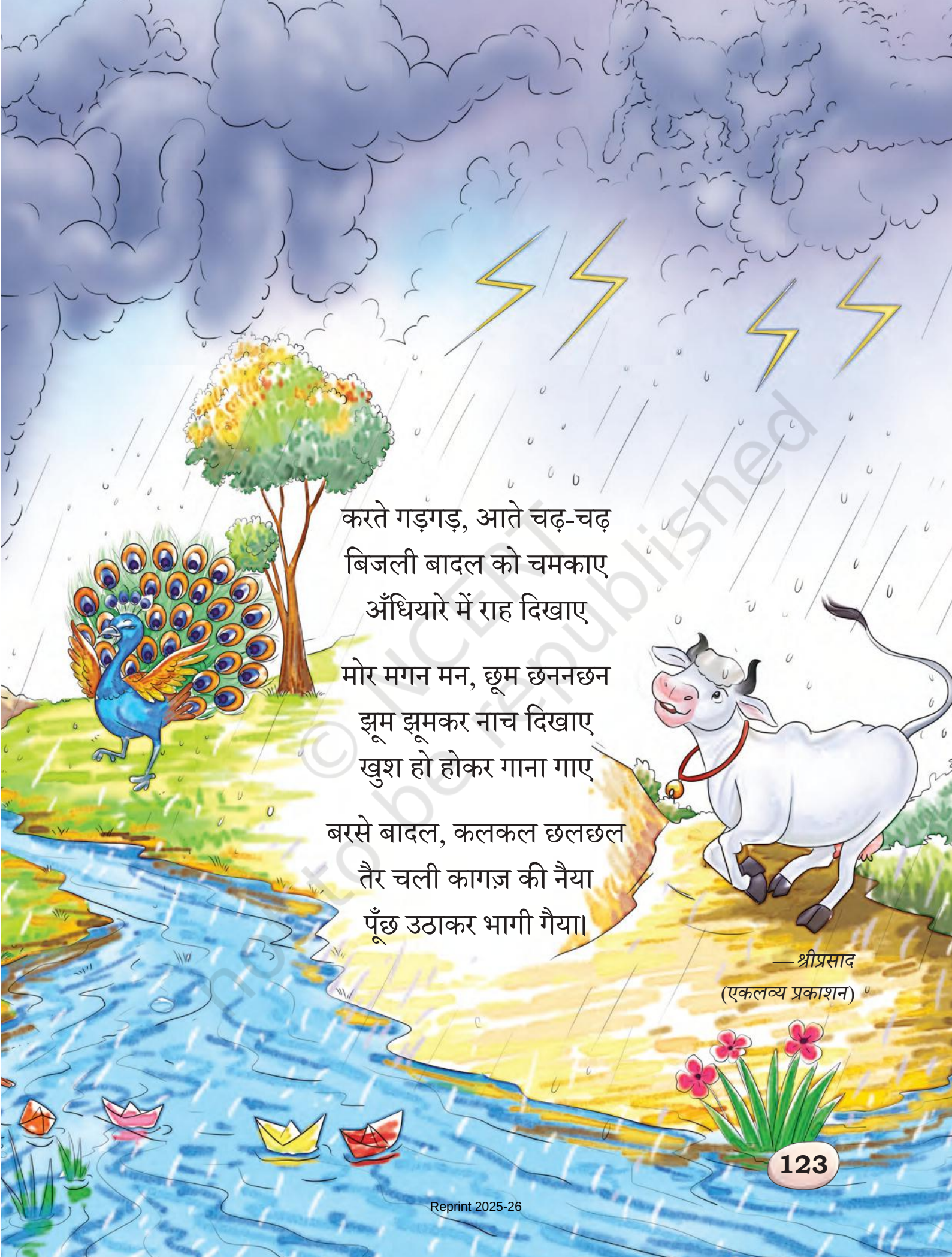

करते गड़गड़, आते चढ़-चढ़
बिजली बादल को चमकाए
अँधियारे में राह दिखाए

मोर मगन मन, छूम छननछन
झूम झूमकर नाच दिखाए
खुश हो होकर गाना गाए

बरसे बादल, कलकल छलछल
तैर चली कागज़ की नैया
पूँछ उठाकर भागी गैया।

—श्रीप्रसाद
(एकलव्य प्रकाशन)

© NCERT not to be republished

Reprint 2025-26

बातचीत के लिए

1. बारिश आने से पहले कैसा मौसम होता है?
2. बारिश कैसे होती है?
3. आपको बारिश के मौसम की सबसे अच्छी बात क्या लगती है?
4. क्या बारिश से कभी कोई परेशानी भी होती है?

कविता के आधार पर उत्तर लिखिए –

1. बादल कैसे बरसते हैं? .....
2. मोर कैसे नाचते हैं? .....
3. हवा कैसे चलती है? .....

चित्रकारी और लेखन

जब आसमान में बादल हों, आसमान को ध्यान से देखिए। आपको कौन-कौन से आकार दिखाई देते हैं? इन बादलों के आकारों के चित्र अपनी कॉपी में बनाइए। आसमान और बादलों के बारे में कुछ वाक्य भी लिखिए।

खोजें-जानें

समाचार पत्र में मौसम की जानकारी अपने मित्रों के साथ मिलकर पढ़िए।

शिक्षण-संकेत – समाचार पत्र पढ़ने में बच्चों की सहायता कीजिए। यह गतिविधि नियमित रूप से करवाएँ।

© NCERT not to be republished

Reprint 2025-26

शब्दों का खेल

1. 'बादल' शब्द सुनने पर आपको बिजली, मोर आदि की तरह अन्य कौन से शब्द याद आते हैं? इन शब्दों को लिखिए और आपके शब्द 'बादल' शब्द से कैसे जुड़ते हैं, सभी को बताइए–

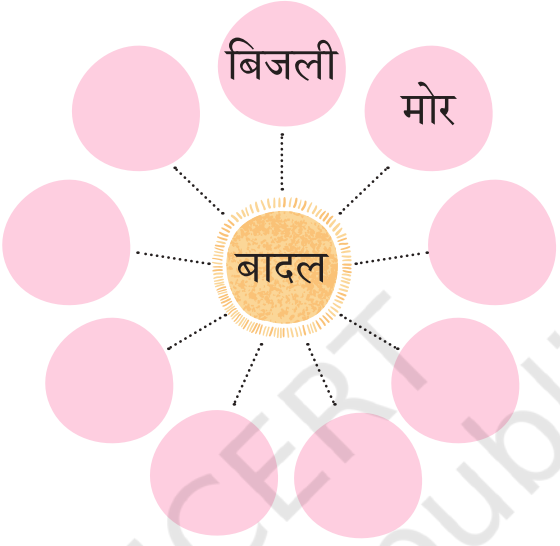

2. मिलान कीजिए और नए शब्द बनाइए–

मोर	मुखी	मोरपंख
रात	बहार	.....
सूरज	पंख	.....
नील	जामुन	.....
गुलाब	पत्र	.....
समाचार	गाय	.....
सदा	रानी	.....

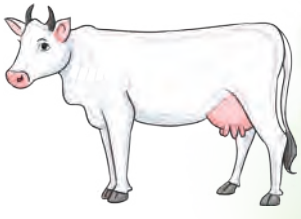

शिक्षण-संकेत – शब्दों को पढ़ने में और शब्द बनाने में बच्चों की सहायता कीजिए।

© NCERT not to be republished

Reprint 2025-26

3. कविता में देखकर सही शब्द चुनकर लिखिए –

(i) हवा ..... लाती सर-सर।

(ii) नन्हें जल-कण गए ..... बन।

(iii) ..... मगन मन, ... छननछन।

(iv) बरसे ..... कलकल ..... ।

(v) तैर चली ..... की नैया ..... उठाकर ..... गैया।

4. इन शब्दों को पढ़िए। बच्चों और वस्तुओं के नामों को अलग-अलग लिखिए –

टिल्लू शक्कर मुन्ना गन्ना लड्डू मक्खन मुन्नी
रघू हल्दी मुन्नू भुट्टा बस्ता पप्पू

बच्चों के नाम	वस्तुओं के नाम
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

शिक्षण-संकेत – आधे वर्णों की ध्वनियों को समझने में बच्चों की सहायता कीजिए।

© NCERT not to be republished

Reprint 2025-26

5. नीचे दिए गए चित्रों का मिलान सही शब्द से कीजिए –

जल

वृक्ष

मेघ

पृथ्वी

लेखन

चित्र देखिए और दिए गए शब्दों से रिक्त स्थानों को भरिए –

पानी, बादल, भाप, बूँदें, गरमी

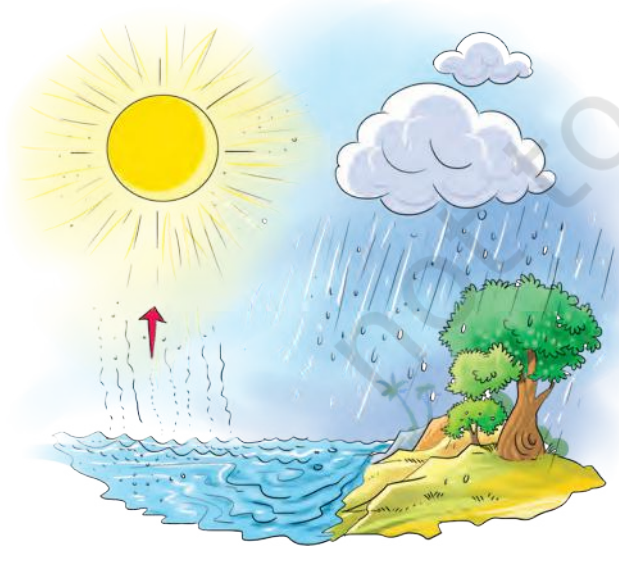

1. सूरज के प्रकाश से ..... बढ़ती है।
2. गरमी पानी को ..... बनाती है।
3. भाप ऊपर जाकर ..... बनाती है।
4. बादल नन्हीं-नन्हीं ..... बरसाते हैं।
5. नदी-नालों में ..... भर जाता है।

© NCERT not to be republished

Reprint 2025-26

पहेली

1. काली भूरी नीली है,
लाल गुलाबी पीली है,
बरखा से यही बचाती है,
धूप नहीं आ पाती है।
रहती है सिर के ऊपर,
फैली रहती है तन कर,
सुंदर सी है, जानो तुम,
अपने सिर पर तानो तुम।

2. ऊपर देखो उड़ा जा रहा,
मुड़ा जा रहा अब ये,
लेकिन वापस भी आएगा,
मगर न जानें कब ये।
आसमान में उड़ जाता है,
डैने कितने भारी,
क्या चिड़िया है,
अरे नहीं, यह काफ़ी बड़ी सवारी।

—श्रीप्रसाद

खोजें-जानें

कक्षा में अपने शिक्षक की सहायता से समाचार पत्र में बारिश / आसमान / चाँद / तारे आदि से संबंधित कोई समाचार पढ़िए।

© NCERT not to be republished

Reprint 2025-26

चित्रकारी और लेखन

नीचे दिए गए चित्र में रंग भरिए। चित्र के आधार पर पाँच से छह वाक्य लिखिए–

....

....

....

....

....

....

शिक्षण-संकेत – इस तरह की गतिविधियाँ बच्चों से नियमित रूप से करवाएँ।

© NCERT not to be republished

Reprint 2025-26

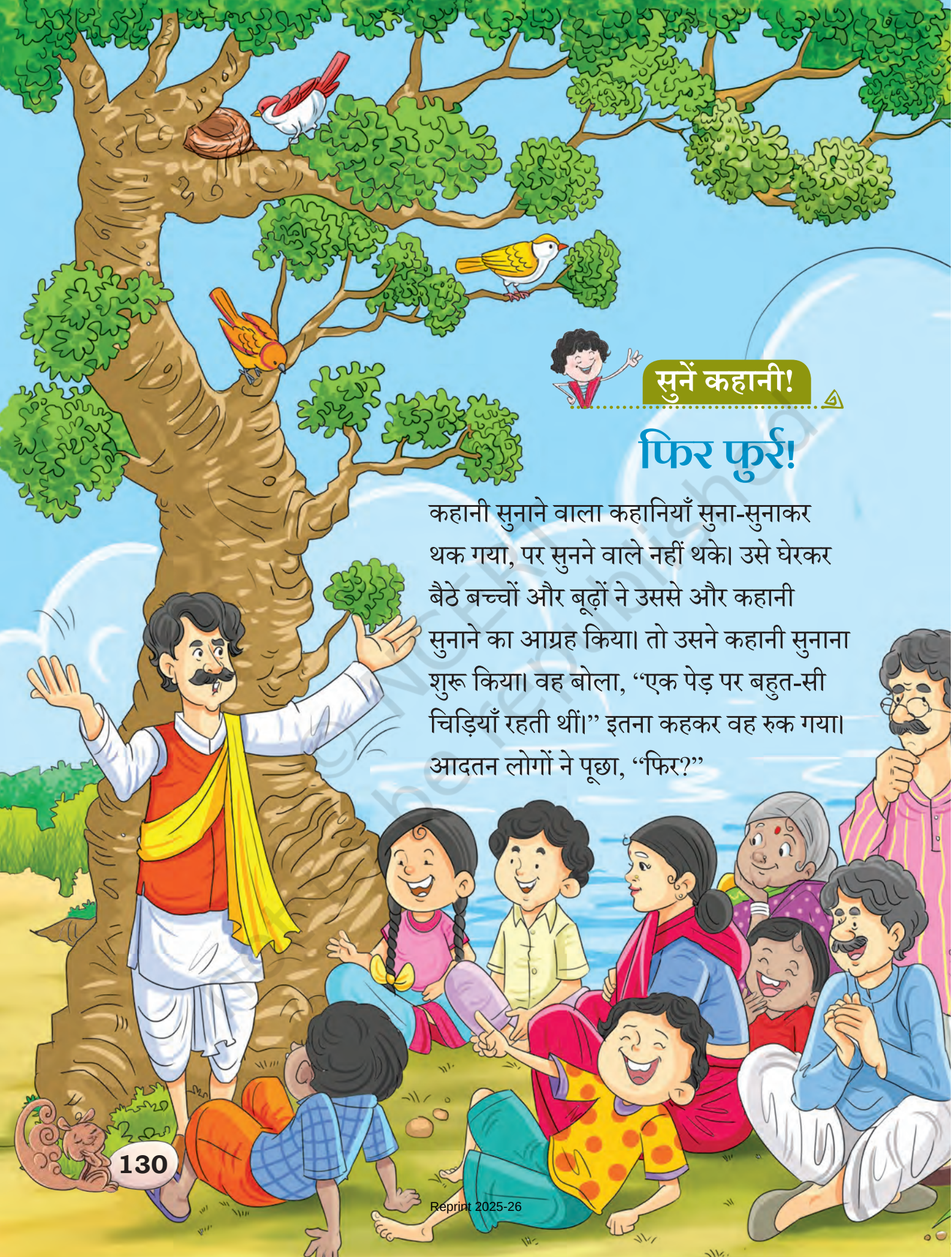

सुनें कहानी!

फिर फुर्र!

कहानी सुनाने वाला कहानियाँ सुना-सुनाकर थक गया, पर सुनने वाले नहीं थके। उसे घेरकर बैठे बच्चों और बूढ़ों ने उससे और कहानी सुनाने का आग्रह किया। तो उसने कहानी सुनाना शुरू किया। वह बोला, "एक पेड़ पर बहुत-सी चिड़ियाँ रहती थीं।" इतना कहकर वह रुक गया। आदतन लोगों ने पूछा, "फिर?"

Reprint 2025-26

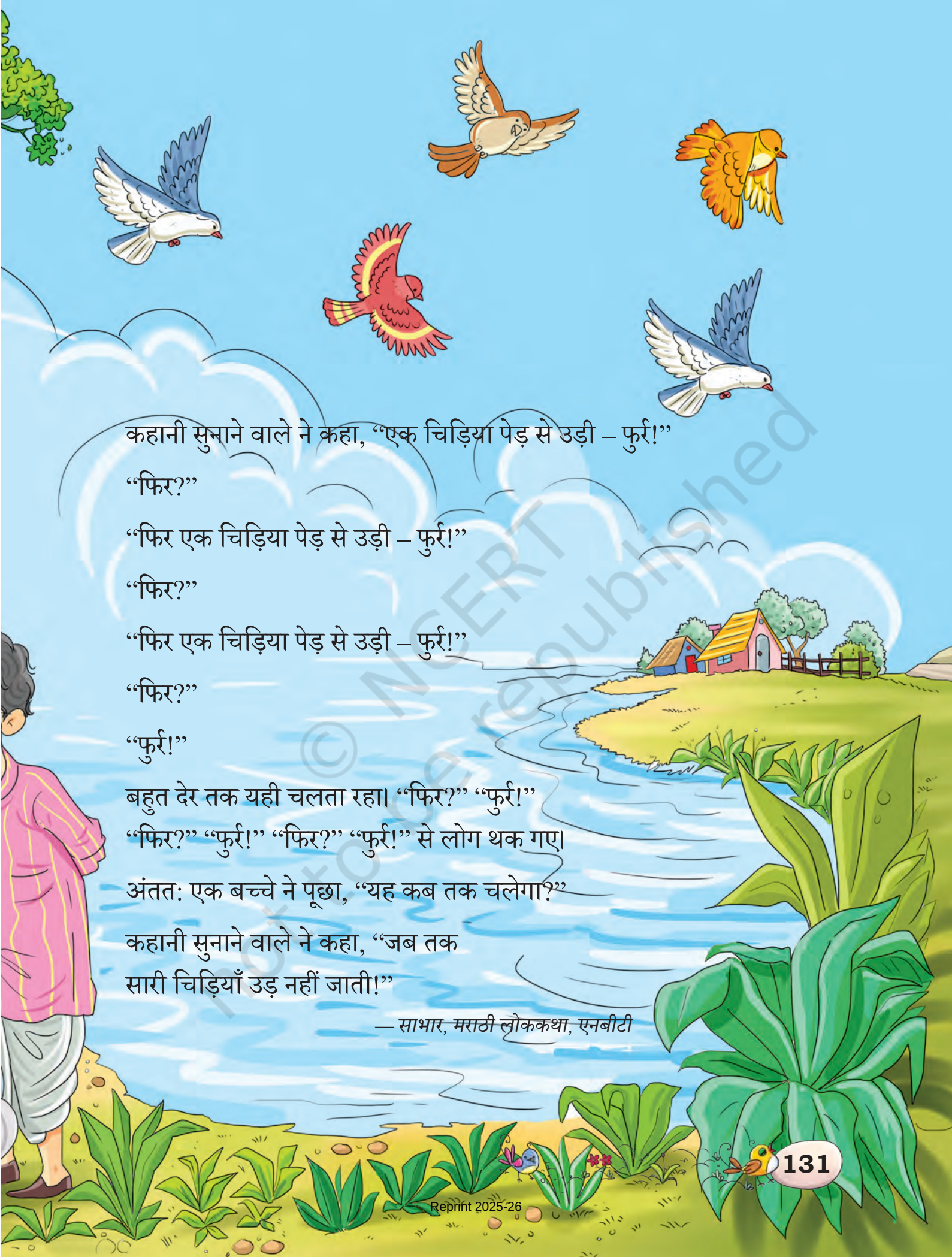

कहानी सुनाने वाले ने कहा, “एक चिड़िया पेड़ से उड़ी – फुर्र!”

“फिर?”

“फिर एक चिड़िया पेड़ से उड़ी – फुर्र!”

“फिर?”

“फिर एक चिड़िया पेड़ से उड़ी – फुर्र!”

“फिर?”

“फुर्र!”

बहुत देर तक यही चलता रहा। “फिर?” “फुर्र!” “फिर?” “फुर्र!” “फिर?” “फुर्र!” से लोग थक गए।

अंतत: एक बच्चे ने पूछा, “यह कब तक चलेगा?”

कहानी सुनाने वाले ने कहा, “जब तक सारी चिड़ियाँ उड़ नहीं जाती!”

— साभार, मराठी लोककथा, एनबीटी

© NCERT not to be republished

Reprint 2025-26

रंग भरिए

दिए गए चित्र में मनचाहे रंग भरिए –

© NCERT not to be republished